चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम .....5.....

ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का शुभारंभ, स्वच्छ खेती में मिलेगा योगदान

आईएमडी और विश्वविद्यालय के संबंध और सुदृढ़ करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि मौसम विभाग में स्थापित किए गए ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का शुभारंभ किया गया। साथ ही एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन एवं बिराक ग्रांट फंडिंग स्कीम पर एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का शुभारंभ हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक डॉ. केजे रमेश ने किया। इसके अलावा आईएमडी और विश्वविद्यालय के संबंध और सुदृढ़ करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर कुलपति ने बताया कि यह यंत्र आईएमडी के सौजन्य से स्थापित किया गया है। इस स्वचालित यंत्र से हवा में उपस्थित ब्लैक कार्बन को मापा जा सकेगा, जिससे वायु प्रदूषण का कृषि पर प्रभाव का अध्ययन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ब्लैक कार्बन ईंधन, लकड़ी व अन्य औद्योगिक इकाइयों व वाहनों के ईंधन से उत्सर्जित वह कणिकीय पदार्थ है, जो वायुमंडल के ताप को बढ़ाते हैं और इसका फसलों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका फसलों के साथ-साथ मानव व जीव जंतुओं पर भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि आने समय में आईएमडी के साथ मिलकर सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में ऐसे लैब विकसित की जाएंगी, जिससे पूरे राज्य के डेटा का विश्लेषण किया जा सकेगा।

वातावरण के लिए नुकसान दायक है ब्लैक कार्बन

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. केजे रमेश ने कहा कि ब्लैक कार्बन वायुमंडल में स्थिर रहने वाला एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है। यह वातावरण के लिए काफी नुकसानदायक होता है। यह जलवायु, हिमनद क्षेत्रों, कृषि पर प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव डालता है। यह बादल निर्माण के साथ-साथ वर्षा को भी प्रभावित करता है। ब्लैक कार्बन के कारण पृथ्वी पर आपतित सूर्य ताप में कमी लाती है। उन्होंने विश्व मौसम विज्ञान संस्थान की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि ब्लैक कार्बन और ओजोन से मानसून की बारिश के वितरण पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर ब्लैक कार्बन एरोसोल मापन केंद्र स्थापित करने की योजना है, जिससे ब्लैक कार्बन का सटीक डाटा मिल सकेगा और सरकार को इसे कम करने के लिए योजना बनाने में सहयोग दिया जा सकेगा। आईआईटी कानपुर की इंक्यूबेशन प्रोग्राम मैनेजर रोहिणी चावला ने बिराक व बिग-15 फंडिंग के बारे में विश्वविद्यालय के छात्रों, प्राध्यापकों व उद्यमियों को बताया कि स्टार्ट अप कंपनियां स्थापित करने के लिए 50 लाख तक की वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, अधिष्ठाता, निदेशक आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते आईएमडी के डायरेक्टर डॉ. केजे रमेश।

यंत्र की मदद से कृषि पर वायु प्रदूषण के प्रभाव का किया जा सकेगा अध्ययन

एमओयू साइन करने के दौरान एक्सचेंज करते एचएयू और आईएमडी के अधिकारी।

देशभर में 60 लोकेशन पर लगाए जाएंगे एयरोसोल मापन यंत्र

हिसार (ब्यूरो)। देशभर में 60 लोकेशन में ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र लगाए जाएंगे, जिसमें से 30 आईएमडी और 30 स्पेस फिजिक्स लेबोरेटरी की तरफ से लगाए जाएंगे। यह कहना है कि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के डायरेक्टर जनरल डॉ. केजे रमेश का। वह शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग में स्थापित किए गए ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का शुभारंभ करने पहुंचे थे।

इस दौरान उन्होंने बताया कि इन यंत्रों की मदद से ब्लैक कार्बन, टोटल क्लाउड रेडिएशन एयरोसेल इंट्रेक्शन की स्टडीज होगी। इसके अलावा लॉन्ग टर्म में सीमेंट, आयरन, पेट्रोलियम सेक्टर से होने वाले उत्सर्जन से वातावरण में कितने बदलाव हो रहे हैं, उसका भी पता लगाया जा सके। साथ ही उत्सर्जन को कम करने के लिए किए जा रहे उपायों जैसे सल्फर डीजल व यूरो 6 क्वालिटी के पेट्रोल आदि का क्या प्रभाव हो रहा है। इन्हें लागू करने से पहले क्या स्थिति थी और बाद की स्थिति क्या रही, इसका भी पता लगाया जा सकेगा। डॉ. रमेश ने बताया कि कितनी बारिश होगी, इसका आंकलन अभी कर पा रहे हैं। इसके आधार पर कलर कोटेड वार्निंग दे रहे हैं। येलो कलर आने पर निगरानी रखी जाएगी, आरेंज आने पर तैयार रहना है और रेड आने पर हैवी रेन होगी। थंडर स्टॉर्म, तापमान और हैवी रेन में वार्निंग सिस्टम का प्रयोग कर रहे हैं। इसकी शुरुआत साइक्लोन से हुई थी और अब बहुत बुरे मौसम के लिए भी इस सिस्टम का प्रयोग कर रहे हैं। फिलहाल अगले तीन दिनों के लिए पूर्वानुमान लगाया जाता है। पहले नौ किलोमीटर पर होती थी, अब तीन किलोमीटर पर होती है। इसकी वजह से बढ़िया ढंग से वार्निंग दे पा रहे हैं। पहले साइक्लोन के लिए एटमोसफियरिक मॉडल चलता था, लेकिन अब ओशन व एटमोसफियरिक कपल मॉडल चल रहा है। क्योंकि अब जमीन के साथ समुद्र भी वार्म हो रहे हैं, जिससे ज्यादा इंटेंस सिस्टम बन रहे हैं। केरल में आए साइक्लोन के बाद इस मॉडल को लागू किया गया। केरल में आया साइक्लोन 18 घंटे में डिप्रेशन से साइक्लोन में तब्दील हो गया था, जो इंडियन बेसिन में अब तक सबसे तेज सिस्टम था। कंपल मॉडल की मदद से इसका पूर्वानुमान भी लगाया जा सकेगा। पहले कदम में हमने लॉस ऑफ लाइफ को कम किया है। इसका उदाहरण ओडिसा है, जहां हमने वार्निंग के बाद दो दिनों में 12 लाख लोगों को विस्थापित कर लॉस ऑफ लाइफ को कम किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी........
दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. ...2... कॉलम ...1-4...

अब आसमान में बिजली गरजने का भी 24 घंटे पहले चल जाएगा पता

- हवा में कार्बन की मात्रा कितनी, हर रोज चलेगा पता
- ह.कृ.वि.में लगा ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र

हिसार, 20 जुलाई (ब्यूरो): बरसात के दिनों गरज के साथ चमकने वाली बिजली का अब वैज्ञानिक 24 घंटे पहले पता लगा लेंगे। इस दिशा में तेज गति से कार्य चल रहा है। साथ ही अब वातावरण में कार्बन की मात्रा कितनी है इसका पता हर रोज लगाया जाएगा।

यहां चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग में ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र लगाया गया है। शनिवार को इसका शुभांरभ ह.कृ.वि. के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डा. के.जे. रमेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डा. मदनलाल खिचड़ सहित अन्य मौसम वैज्ञानिक भी मौजूद थे।

मुख्यातिथि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डा. के.जे. रमेश ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का निरीक्षण करते हुए। (नारंग)

क्या है ब्लैक कार्बन

ब्लैक कार्बन वायुमंडल में स्थिर रहने वाला एक अल्पकालिक जलवायु प्रदुषक है। यह वातावरण के लिए काफी नुकसानदायक होता है। यह जलवायु, हिमनद क्षेत्रों, कृषि पर प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव डालता है। यह बादल निर्माण के साथ-साथ वर्षा को भी प्रभावित करता है। ब्लैक कार्बन के कारण पृथ्वी पर आपतित सूर्यताप में कमी लाती है। विश्व मौसम विज्ञान संस्थान की एक रिपोर्ट माने तो ब्लैक कार्बन और ओजोन से मानसून की बारिश के वितरण पर भी असर पड़ता है।

क्या प्रभाव पड़ता है ब्लैक कार्बन से

ब्लैक कार्बन ईंधन, लकड़ी व अन्य औद्योगिक इकाइयों व वाहनों के ईंधन से उत्सर्जित कणिकीय पदार्थ जो वायुमंडल के ताप को बढ़ाता है तथा इसका फसलों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ब्लैक कार्बन का फसलों के साथ-साथ मानव व जीव जंतुओं पर भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

डाटा एकत्रित करने के लिए बनेगी लैब

ह.कृ.वि. आने वाले समय में भारत मौसम विज्ञान विभाग के साथ मिलकर सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में ऐसे लैब विकसित की जाएगी, जिससे पूरे राज्य के डेटा का विश्लेषण किया जा सकेगा।

यह यंत्र भारत मौसम विज्ञान विभाग के सौजन्य से स्थापित किया गया है। इस स्वचालित यंत्र से हवा में उपस्थित ब्लैक कार्बन को मापा जा सकेगा जिससे वायु प्रदुषण का कृषि पर प्रभाव का अध्ययन किया जा सकेगा।

प्रो. के.पी. सिंह, कुलपति ह.कृ.वि.।

जिला स्तर पर ब्लैक कार्बन एरोसोल मापन केन्द्र स्थापित करने की योजना है जिससे ब्लैक कार्बन का सटीक डाटा मिल सकेगा तथा सरकार को इसको कम करने के लिए योजना बनाने में सहयोग दिया जा सकेगा।

डा. के.जे. रमेश, महानिदेशक आई.एम.डी.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक जागरण .....

दिनांक 21.7.2017 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 2-5

कार्यक्रम | एचएयू में एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन एवं विराक ग्रांट फंडिंग स्कीम पर हुई कार्यशाला

स्टार्ट अप के लिए 50 लाख तक की सहायता

हिसार : कुलपति प्रो. केपी सिंह व भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डा. के जे रमेश ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र को लेकर चर्चा करते हुए। • जागरण

नए आइडिया पर मिलेगा 25 लाख अनुदान

बता दें कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर-आरकेवीवाई में 'पहल' 2019 के तहत चयन किए गए आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को 5 लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा। 'पहल' कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है। इसमें किसी तरह की बाध्यता नहीं है, जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो। वह अपना प्रस्ताव 23 जुलाई तक एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, सीसीएसएचएयू, हिसार में भेज सकता है। इससे संबंधित जानकारी के लिए किसान व युवा 7206734901, 9991689999 पर फोन कर सकते हैं।

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का शुभारम्भ और एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन एवं बिराक ग्रांट फंडिंग स्कीम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र स्थापित किया गया है। वहीं, भारत मौसम विज्ञान विभाग और विश्वविद्यालय के संबंध और सुदृढ़ करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन एवं बिराक ग्रांट फंडिंग स्कीम की जानकारी देते हुए आईआईटी कानपुर की इंक्यूबेशन प्रोग्राम मेनेजर मिस. रोहिणी चावला ने स्टार्ट अप कंपनियां स्थापित करने के लिए 50 लाख तक की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के विभिन्न माध्यम बताए। उन्होंने प्रदेश के लघु उद्योगों को बढ़ाने पर बल दिया, जिससे बेरोजगारी की समस्या पर विराम लगाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को आह्वान किया कि वे कृषि व कृषि से जुड़े क्षेत्र में अपने नवीन विचारों के माध्यम से अपना नया व्यवसाय शुरू करें और इसके लिए विश्वविद्यालय के आरकेवीवाई-एबीक व आईआईटी कानपुर के बीराक सेंटर से सहयोग ले सकते है। उन्होंने बिराक व बिग-15 फंडिंग के बारे में विस्तार से विश्वविद्यालय के छात्रों, प्राध्यापकों व उद्यमियों को बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी. आर कंबोज, अधिष्ठाता, निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और एबीक के अधिकारी उपस्तिथ थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरिभूमि......
दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. ...14... कॉलम ...1-8...

हकृवि में ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का शुभारंभ, वायु में ब्लैक कार्बन को मापा जा सकेगा

ब्लैक कार्बन डालता है मानसून की बारिश पर असर

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ केजे रमेश ने ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र के शुभारंभ पर बताया
- वायु प्रदूषण का कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव का होगा अध्ययन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

ब्लैक कार्बन और ओजोन से मानसून की बारिश के वितरण पर असर पड़ता है। विश्व मौसम विज्ञान संस्थान की रिपोर्ट में भी यह हवाला दिया गया है। यह बात हकृवि में ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र के शुभारंभ के बाद एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन एवं बिराक ग्रांट फंडिंग स्कीम पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ केजे रमेश ने कही।

उन्होंने कहा कि इस स्वचालित यंत्र से हवा में उपस्थित ब्लैक कार्बन को मापा जा सकेगा। जिससे वायु प्रदुषण का कृषि पर प्रभाव का अध्ययन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ब्लैक कार्बन जलवायु, हिमनद क्षेत्रों तथा कृषि पर प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर ब्लैक कार्बन एरोसोल मापन केंद्र स्थापित करने की योजना है। जिससे ब्लैक कार्बन का सटीक डाटा मिल सकेगा। इससे सरकार को इसको कम करने के लिए योजना बनाने में सहयोग दिया जा सकेगा।

ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का निरीक्षण करते विभाग के महानिदेशक डॉ केजे रमेश। फोटो : हरिभूमि

फसलों के साथ जीव-जंतुओं पर भी प्रभाव

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि ब्लैक कार्बन ईंधन, लकड़ी व अन्य औद्योगिक ईकाइयों व वाहनों के ईंधन से उत्सर्जित कणकीय पदार्थ है, जो वायुमंडल के ताप को बढ़ाता है। इसका फसलों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ब्लैक कार्बन का फसलों के साथ-साथ मानव व जीव जंतुओं पर भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर बनेगी लैब

भारत मौसम विज्ञान विभाग और हकृवि के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के साथ मिलकर हकृवि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में लैब विकसित करेगी। इन लैब से पूरे राज्य के डेटा का विश्लेषण किया जा सकेगा। ब्लैक कार्बन से फसलों पर किस तरह का नुकसान होता है इस संबंध में भी विश्लेषण किया जाएगा।

वातावरण के लिए नुकसानदायक

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ केजे रमेश कहा कि ब्लैक कार्बन वायुमंडल में स्थिर रहने वाला एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है। यह वातावरण के लिए काफी नुकसानदायक होता है। यह बादल निर्माण के साथ-साथ वर्षा को भी प्रभावित करता है। ब्लैक कार्बन के कारण पृथ्वी पर आपतित सूर्यताप में कमी लाती है।

स्टार्ट अप के लिए दिए आइडिया

आईआईटी कानपुर की इंक्यूबेशन प्रोग्राम मैनेजर रोहिणी चावला ने बिराक व बिग-15 फंडिंग के बारे में विस्तार से विश्वविद्यालय के छात्रों, प्राध्यापकों व उद्यमियों को बताया कि स्टार्ट अप कंपनियां स्थापित करने के आइडिया बताए। इसके लिए 50 लाख तक की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के विभिन्न माध्यम बताए।

कृषि से जुड़ा नया व्यवसाय करें

उन्होंने विद्यार्थियों को आह्वान किया कि वे कृषि व कृषि से जुड़े क्षेत्र में अपने नवीन विचारों के माध्यम से अपना नया व्यवसाय शुरू करें। इसके लिएआरकेवीवाई-एबीक व आईआईटी कानपुर के बीराक सेंटर से सहयोग ले सकते हैं।

बेस्ट आइडिया को मिलेगा 25 लाख अनुदान

हकृवि में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर-आरकेवीवाई में 2019 के अंतर्गत चयन किए गए आइडिया के दम पर संबंधित व्यक्ति को 5 लाख से लेकर 25 लाख तक का अनुदान मिलेगा। यह कार्यक्रम सभी व्यक्तियों के लिए है। जिसके पास कृषि व इससे संबंधित बिजनेस आइडिया हो वह अपना प्रस्ताव 23 जुलाई तक एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर, गांधी भवन, हकृवि में भेज सकता है।

फिल्टर के जरिए कार्बन पकड़ेगा सिस्टम

हकृवि के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदनलाल खीचड़ का कहना है कि एयरोसोल कार्बन मोनिटरिंग सिस्टम हवा में मौजूद कार्बन को फिल्टर के जरिए पकड़ेगा। उसके बाद जो डाटा होगा, उससे मैथेमेटिक्स फार्मूले से यह पता लग जाएगा कि आखिर इतनी मात्रा कैसे आ रही है। यानि आस-पास के आबोहवा हमारे लिए कितनी खतरनाक है। जब पूरे हरियाणा का डाटा जिलावार आने लगेगा, तो पता चल जाएगा कि आखिर फसल को जलाने से या फिर इंडस्ट्री से या वाहनों से उस एरिया में कार्बन की ज्यादा मात्रा हो रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. .....6..... कॉलम .....7-8.....

कृषि शिक्षा को प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता : सिंह

एचएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 को लेकर बैठक

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बनने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के लिए बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह द्वारा की गई। बैठक में भविष्य में शिक्षा नीति को और सुदृढ़ बनाने के लिए बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के मद्देनजर विचार विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अतः उच्च कृषि शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी शिक्षा नीति तैयार की जानी चाहिए। आधुनिक कृषि पद्धतियां तेजी से शिक्षा एवं ज्ञान पर आधारित हो रही है, इसलिए उनमें विशेषज्ञता हासिल करना हमारे अधिकतर किसानों के लिए आसान काम नहीं है। वैश्वीकरण के इस युग में कृषि छात्रों को पेशेवर विशेषज्ञता की आवश्यकता होगी, इसलिए कृषि शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों/संस्थानों का विकास अन्य विषयों को सम्मिलित करते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। इसकी शुरुआत प्रत्येक राज्य में एक कृषि विश्वविद्यालय को बहु विषयी विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने से प्रारंभ हो। कृषि शिक्षा में वित्तीय संसाधनों का प्रावधान सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र की दर के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों को क्षेत्रीय उद्योगों और निजी क्षेत्र के साथ समन्वय को बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक में हरियाणा के विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रमुख संस्थान एवं हरियाणा राज्य के संस्थानों के प्रमुख/विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. केपी सिंह बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 पर चर्चा करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... हरि. भूमि .....

दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. ...12..... कॉलम ...2-3.....

यूजीसी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हकृवि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा बनने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह द्वारा की गई। इस बैठक में भविष्य में शिक्षा नीति को और सुदृढ़ बनाने के लिए बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के मद्देनजर विचार विमर्श किया गया। कुलपति ने कहा कि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है अतः उच्च कृषि शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी शिक्षा नीति तैयार की जानी चाहिए। आधुनिक कृषि पद्धतियां तेजी से शिक्षा एवं ज्ञान पर आधारित हो रही है इसलिए उनमें विशेषज्ञता हासिल करना हमारे अधिकतर किसानों के लिए आसान काम नहीं है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों-संस्थानों का विकास अन्य विषयों को सम्मलित करते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा में वित्तीय संसाधनों का प्रावधान सकल घरेलु उत्पाद में कृषि क्षेत्र की दर के अनुरूप होना चाहिए ताकि कृषि का समग्र विकास संभव हो सके। उन्होंने उगा शिक्षण संस्थानों को क्षेत्रीय उद्योगों और निजि क्षेत्र के साथ समन्वय को बढ़ाने का आहवान किया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों द्वारा कृषि शिक्षा को उच्चतर शिक्षा में ज्यादा से ज्यादा महत्व देने पर बल दिया। इस बैठक में हरियाणा के विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रमुख संस्थान एवं हरियाणा रा य के संस्थानों के प्रमुख, विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........

दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 2-4

एचएयू में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 पर चर्चा के लिए हुई बैठक, बोले वीसी

कृषि शिक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा बनने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह द्वारा की गई। प्रो. केपी सिंह ने कहा कि क्योंकि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। अतः उच्च कृषि शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी शिक्षा नीति तैयार की जानी चाहिए।

बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 पर चर्चा करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। ● जागरण

आधुनिक कृषि पद्धतियां तेजी से शिक्षा एवं ज्ञान पर आधारित हो रही हैं, इसलिए उनमें विशेषज्ञता हासिल करना हमारे अधिकतर किसानों के लिए आसान काम नहीं है। वैश्वीकरण के इस युग में कृषि छात्रों को पेशेवर विशेषज्ञता की आवश्यकता होगी। इसलिए कृषि शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों/संस्थानों का विकास अन्य विषयों को सम्मिलित करते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। जिसकी शुरुआत प्रत्येक राज्य में एक कृषि विश्वविद्यालय को बहुविषयी विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने से प्रारंभ हो। कृषि शिक्षा में वित्तीय संसाधनों का प्रावधान सकल घरेलु उत्पाद में कृषि क्षेत्र की दर के अनुरूप होना चाहिए, ताकि कृषि का समग्र विकास संभव हो सके। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों को क्षेत्रीय उद्योगों और नीजि क्षेत्र के साथ समन्वय को बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक में हरियाणा के विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रमुख संस्थान एवं हरियाणा राज्य के संस्थानों के प्रमुख/विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नभ. छोर......
दिनांक ...20.7.2019... पृष्ठ सं. ....6..... कॉलम ....3-5....

यूजीसी द्वारा बनाई जा रही राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हकृवि में हुई बैठक

हिसार/20 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा बनने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के लिए कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भविष्य में शिक्षा नीति को और सुदृढ़ बनाने के लिए विचार विमर्श किया गया। कुलपति ने कहा कि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है अतः उच्च कृषि शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी शिक्षा नीति तैयार की जानी चाहिए। आधुनिक कृषि पद्धतियां तेजी से शिक्षा एवं ज्ञान पर आधारित हो रही हैं इसलिए उनमें विशेषज्ञता हासिल करना हमारे अधिकतर किसानों के लिए आसान काम नहीं है। वैश्वीकरण के इस युग में कृषि छात्रों को पेशेवर विशेषज्ञता की आवश्यकता होगी। इसलिए कृषि शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों/संस्थानों का विकास अन्य विषयों को सम्मलित करते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। जिसको शुरूआत प्रत्येक राज्य में एक कृषि विश्वविद्यालय को बहुविषयी विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने से प्रारंभ हो। कृषि शिक्षा में वित्तीय संसाधनों का प्रावधान सकल घरेलु उत्पाद में कृषि क्षेत्र की दर के अनुरूप होना चाहिए ताकि कृषि का समग्र विकास संभव हो सके। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों को क्षेत्रीय.उद्योगों और निजी क्षेत्र के साथ समन्वय को बढ़ाने का आहवान किया। बैठक में कृषि शिक्षा को उच्चतर शिक्षा में ज्यादा से ज्यादा महत्व देने पर बल दिया। बैठक में हरियाणा के विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रमुख संस्थान एवं हरियाणा राज्य के संस्थानों के प्रमुख/ विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नित्य शक्ति टाईम्स......

दिनांक 20.7.2019 पृष्ठ सं. ...8... कॉलम 1-5

उच्च कृषि शिक्षा तैयार करने के लिए प्रभावी शिक्षा नीति की जरूरत : केपी

हिसार, 20 जुलाई (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बनने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह द्वारा की गई। इस बैठक में भविष्य में शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के लिए एक बैठक का आयोजन

नीति को और सुदृढ़ बनाने के लिए बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के मद्देनजर विचार विमर्श किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि क्योंकि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है अतः उच्च कृषि शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी शिक्षा नीति तैयार की जानी चाहिए। आधुनिक कृषि पद्धतियां तेजी से शिक्षा एवं ज्ञान पर आधारित हो रही है इसलिए उनमें विशेषज्ञता हासिल करना हमारे अधिकतर किसानों के लिए आसान काम नहीं है। वेश्वीकरण के इस युग में कृषि छात्रों को पेशेवर विशेषज्ञता की आवश्यकता होगी। इसलिए कृषि शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों/संस्थानों का विकास अन्य विषयों को सम्मलित करते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। जिसकी शुरूआत प्रत्येक राज्य में एक कृषि विश्वविद्यालय को बहुविषयी विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने से प्रारंभ हो। कृषि शिक्षा में वित्तीय संसाधनों का प्रावधान सकल घरेलु उत्पाद में कृषि क्षेत्र की दर के अनुरूप होना चाहिए ताकि कृषि का समग्र विकास संभव हो सके। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों को क्षेत्रीय उद्योगों और निजि क्षेत्र के साथ समन्वय को बढ़ाने का आहवान किया।

बैठक में उपस्थित सभी लोगों द्वारा कृषि शिक्षा को उच्चतर शिक्षा में ज्यादा से ज्यादा महत्व देने पर बल दिया। इस बैठक मे हरियाणा के विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रमुख संस्थान एवं हरियाणा राज्य के संस्थानों के प्रमुख/विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 20.7.2019 पृष्ठ सं. ....3..... कॉलम ....4-6.....

कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अतः उच्च कृषि शिक्षा नीति बनेः प्रो. केपी सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा बनने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह द्वारा की गई। इस बैठक में भविष्य में शिक्षा नीति को और सुदृढ़ बनाने के लिए बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 के मद्देनजर विचार विमर्श किया गया।

कुलपति ने कहा कि क्योंकि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है अतः उच्च कृषि शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी शिक्षा नीति तैयार की जानी चाहिए। आधुनिक कृषि पद्धतियां तेजी से शिक्षा एवं ज्ञान पर आधारित हो रही है इसलिए उनमें विशेषज्ञता हासिल करना हमारे अधिकतर किसानों के लिए आसान काम नहीं है। वैश्वीकरण के इस युग में कृषि छात्रों को पेशेवर विशेषज्ञता की आवश्यकता होगी। इसलिए कृषि शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों/संस्थानों का विकास अन्य विषयों को सम्मलित करते हुए चरणबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। जिसकी शुरूआत प्रत्येक राज्य में एक कृषि विश्वविद्यालय को बहुविषयी विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने से प्रारंभ हो।

हिसार। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 पर चर्चा करते हुए।

बैठक में उपस्थित सभी लोगों द्वारा कृषि शिक्षा को उच्चतर शिक्षा में ज्यादा से ज्यादा महत्व देने पर बल दिया। इस बैठक में हरियाणा के विभिन्न भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रमुख संस्थान एवं हरियाणा राज्य के संस्थानों के प्रमुख/विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण दैनिक भास्कर
दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. 12, 5 कॉलम 5-6, 3-4

बैंक ऑफ बड़ौदा का स्थापना दिवस मनाया, कुलपति ने लगाए पौधे

112 वां स्थापना दिवस था

पक्षियों के लिए दाना-पानी के प्रबंध के लिए पेड़ों पर सकोरे भी स्थापित किए गए

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह पौधरोपण करते हुये। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में बैंक ऑफ बड़ौदा का 112 वां स्थापना दिवस, हिसार की एचएयू शाखा द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे। इस अवसर पर उन्होंने त्रिवेणी लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की और पक्षियों के लिए पानी और दाने के लिए सकोरे भी वृक्ष पर स्थापित किये। प्रो. सिंह ने कहा कि आज शुद्ध हवा में सांस लेना हम सबके लिए चुनौती बनता जा रहा है, जिसे हम सभी को मिलकर खत्म करना है। बढ़ती जनसंख्या व औद्योगिकरण की वजह से ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन अपने चरम पर है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। इससे बचने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा इंचार्ज संदीप पूनिया ने सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे वायु प्रदूषण को कम करने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर अपना योगदान दें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर.कंबोज, डा. सीमा रानी, डा. कर्ण और बैंक के अन्य अधिकारियों ने भी पौधे लगाए।

वातावरण में जहर घुल रहा, हरियाली बढ़ा खुद को बचाएं : प्रो. केपी सिंह

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को बैंक ऑफ बड़ौदा का 112 वां स्थापना दिवस, हिसार की एचएयू शाखा द्वारा मनाया गया।

इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह रहे। इस अवसर पर उन्होंने त्रिवेणी लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत की तथा पक्षियों के लिए पानी और दाने के लिए सकोरे भी वृक्ष पर स्थापित किये। प्रो. सिंह ने कहा आज शुद्ध हवा में सांस लेना हम सबके लिए चुनौती बनता जा रहा है जिसे हम सभी को मिलकर खत्म करना है। बढ़ती जनसंख्या व औद्योगिकरण की वजह से ग्रीन हाउस गैसिज का उत्सर्जन अपने चरम पर है जिससे ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। इससे बचने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा इंचार्ज संदीप पुनिया ने अपने सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे वायु प्रदूषण को कम करने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर अपना योगदान दें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज, डॉ. सीमा रानी, डॉ. कर्ण तथा बैंक के अन्य अधिकारियों ने भी इस अवसर पर पौधे लगाये।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला   हरि. भूमि....
दिनांक 21.7.2019.... पृष्ठ सं. ...4, 14... कॉलम ...3, 6...

बैंक ऑफ बड़ोदा ने मनाया स्थापना दिवस

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को बैंक ऑफ बड़ौदा का 112वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने पौधरोपण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे।

इस अवसर पर उन्होंने त्रिवेणी लगाकर पौधरोपण कार्यक्रम की शुरूआत की। कुलपति ने कहा कि आज शुद्ध हवा में सांस लेना हम सबके लिए चुनौती बनता जा रहा है जिसे हम सभी को मिलकर खत्म करना है। बढ़ती जनसंख्या व औद्योगिकरण की वजह से ग्रीन हाउस गैसिज का उत्सर्जन अपने चरम पर है जिससे ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। इससे बचने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है।

हकृवि में मनाया वन महोत्सव

हिसार। हकृवि में बैंक ऑफ बड़ौदा का 112 वां स्थापना दिवस एचएयू शाखा द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह थे। उन्होंने त्रिवेणी लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत की तथा पक्षियों के लिए पानी और दाने के लिए सकोरे भी वृक्ष पर स्थापित किये। प्रो. सिंह ने कहा आज शुद्ध हवा में सांस लेना हम सबके लिए चुनौती बनता जा रहा है जिसे हम सभी को मिलकर खत्म करना है। बढ़ती जनसंख्या व औद्योगिकरण की वजह से ग्रीन हाउस गैसिज का उत्सर्जन अपने चरम पर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......पाठक पक्ष......
दिनांक 21.7.2019 पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...1-2...

हकृवि में वन-महोत्सव मनाया गया

हिसार, 21 जुलाई (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आज बैंक ऑफ बड़ौदा का 112 वां स्थापना दिवस, हिसार की एचएयू शाखा द्वारा, बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह थे। इस अवसर पर उन्होंने त्रिवेणी लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत की तथा पक्षियों के लिए पानी और दाने के लिए सकोरे भी वृक्ष पर स्थापित किये। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा आज शुद्ध हवा में सांस लेना हम सबके लिए चुनौती बनता जा रहा है जिसे हम सभी को मिलकर खत्म करना है। बढ़ती जनसंख्या व औद्योगिकरण की वजह से ग्रीन हाऊस गैसिज का उत्सर्जन अपने चरम पर है जिससे ग्लोबल वार्मिंग का दुष्प्रभाव भी बढ़ता जा रहा है। इससे बचने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है। इस

अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा इंचार्ज संदीप पूनिया ने अपने सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे वायु प्रदूषण को कम करने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाकर अपना योगदान दें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर.कंबोज, डॉ. सीमा रानी, डॉ. कर्ण तथा बैंक के अन्य अधिकारियों ने भी इस अवसर पर पौधे लगाये।